

eul_wid: brw-ac

Βακχυλίδης ὁ Κεῖος · Bacchylides of Ceos

Fragments of Dithyrambs

Ἀποσπάσματα Διθυράμβων

Period: Κλασική Classical

Dialect: Δωρική Doric

Domain: Ποίησης Poetry

Format: Ἑμμετρος Verse

book 1.1 [] . θα

book 1.2 συν[]

book 2.1 Ἀθ[ανᾶν (.)..αν]δρον ἱερᾶν ἄωτο[ν] []ειον τέμενος []α δ' ἄχῳ κτυπεῖ λι[γ..αι σὺν] αὐλῶν

book 2.2 πνοᾷ[ln_5][]ελικτον ἐπεὶ δὲ [] []χ[]άρις

book 2.3 πρέπει [] .ιονων νοο[] τανυ[άκης][ln_10]ιή

book 3.1[ln_1][...]αρα[] [....]δαλον

book 3.2 χα[] [....]μα

book 3.3 φαινω[] [....].φρονος λ[] [ln_5][....]ηι γυναι[]τεκνος θυμὸν αἰρεῖτω[] οὐ γάρ

book 3.4 τις ἀνθρώπ[ω, τὸν ἄν εὐθύ]δικοι Μοῖραι

book 3.5 παρὰ χρυσ[] στᾶσαι

book 3.6 φατίξωσιν[] [ln_10]φύζις, οὐδ' εἰ χαλκέο[ις] [τείχε]σιν μίμνη[ση]ι κε τάδε βρο[τὸς--] ὄλβος

book 3.7 τε καὶ δόξα[] ταῦτ' εἴ[]πε

book 3.8 φιλαγλαο[] παντ[.]ς ἄϊξεν δ' ἀπ[] [ln_15].[...]πινας ανο[] σ[(.)...]ων δ' ἐκ δε[] [(.)....]. ποδ' επιδ[] [....].υσεν κ[] []...[]

book 4.1 []έορτον

book 4.2 στρατόν[] []ποικίλων []ον

book 4.3 παιήονα [] .λωι[ln_5][] .ιᾶν [] .μιδος

book 4.4 τεμ[] [] [] [] -]ἀπὸ λευκῶν[ln_10][]ισα γάρυν [θ]αρσέα θηροδα[ί]κταν[]]ξίμβροτος []νθεῖ [] [ln_15][]κ]υανάμπυκα νυ[] []ἐπι]χθονίοισι δὲ κουφαι [] []ε]λέ [] []Διὸς υἱὸν[ln_20][] .ι δαμέ[ν]τα

book 4.5 πολύλλισ[το] [] .θεοις [] .πυκινὰν []ρον ἀνδρῶν []κρατῆς[ln_25][] Ἀ]μφιτρωνιάδας [] []νθ' ἀπὸ τειχέων []γξεν αἰθήρ· [Κλ]ύ[τι]ον

book 4.6 Προκάωνά τε θε[] [ln_30][] -]λέας [] . ' [] []υτ[ρ]οφος αἰνα[] [] --]όφροι[ln_35][] [] []

book 5, a []πον[] []κλε[] [] .[]

book 5, b.1 [] .[]λευ[] []χαρ[] [] .ἐπ' ἀη[] []ον

book 5, b.2

σοφ.[] [ln_5][]ώσι γέρας[] οι και δένδρα κ[] []ον τ' [ε]ύαγες οἶδ[μα] []νετον Οἰαγρίδα[ν] []ι
Μούσας ἔρασιπ[λοκ...][ln_10][]ν ὁ τοξοδάμας [ἔ]κάεργος Ἀπόλλ[ων] [ὁ] μὲν κυρεῖ θεῶν[] []
ὀψιγόνων []μελιτευχέα

book 5, b.3 παγ[άν][ln_15][]αι

book 5, b. 4 πιθεῖν εοθε[] [] καὶ ἐμ' αὐ[β]ο[ο...][]ι κατασπειρ.[] []τορίας []σι καλυμμα[] [ln_20][]ἰθύσας

book 5, b.5 φρ...[] []αιω κλ.[.].φ[] []θεα καὶ γ[.].[]

book 6.1 φρα.[] Πασι[φ]ά[α] εν Κύπ[ρις] πόθον [][ln_5]Εὐπαλά[μοι'] υἱέ[ĩ] τεκτόν[ω]ν

book 6.2 σοφω[τάτῳ] φράσε Δαιδάλῳ ἀ.[] νόσον· ὄρκια

book 6.3 $\pi_1\sigma[\tau] [\tau]\varepsilon$

book 6.4 τεύχειν κέλευ[σε][ln_10]μείξειε

book 6.5 ταυρείῳ σ[] κρύπτουσα σύννο[μον] Μίνωα [τ]οξοδάμαν[τα] Κνωσσίων

book 6.6 στρατα[γέταν·] ὁ δ' ἐπεὶ μάθε μῦθο[ν][ln_15]σχέτο

book 6.7 φροντίδι· δε[] [] ἀλόχου[]

book 7.1 []ζομέ[ν] []ον [].[]ρον φ[]αν· []ω[ln_5][]αον δῖα[] []στε []ων ἐφοβ[] []ητας ὀμ[]ς []ν[ln_10]
[]αν.φó.[] []κα[]μαρ []αρ.[] []υσ[] [] .εκ[] [ln_15][] [] (desunt cola non minus 18)
[ln_34]ξανθᾶς νιν εὖβ[ο]υλ[ο]ς θαμ[ᾶ Φ]ιλλυρί[δας][ln_35]ψαύων κεφ[αλ]ᾶς ἐνέπει· φατί νιν
[δινᾶ]ντα

book 7.2 φοινίξειν

book 7.3 Σκά[μανδρον] κτείνον[τα]

book 7.4 φιλοπολέμους

book 7.5 Τρῶας· π.[...].’’ : ι.α[]ματ[] ξείνα τε.[] []ln_40]ἀλκίμουσ[τ’ ἐπ[] Μυσῶν τ’ α[] [] ταῦτ’
ἐνέπ[] καρδίαν π[] φίλα[ι]ς δεχ[]ln_45]δ’ εὐφυλλ[]

book 8, a []αι θεόςτ[] []ωνετι.εα[] []υφαινεσο[]κυα[] [].´[.]ρυβρον[τ].ει· κ[] [ln_5][σχέ]τλιος[]ωνκ[] [].
[]

book 8, b [[] [] [] . [] . φε . [] [] . ι []] εκρον[ln_5][] []] αρσει . []

book 8, c [Π]υθοῖ βρύει[] []ἀγλαΐα []on ξενίαισ[] []νο[] [ln_5][].τω[]

book 9.1 οἱ Ἕλληνες ἐκ Δήμου μετεστείλαντο τὸν

book 9.2 Φιλοκτήτην Ἑλένου μαντευσαμένον· εἴμαρτο γὰρ ἄνεν τῶν Ἡρακλείων τόξων μὴ πορθηθῆναι τὴν ἴλιον.

book 10 Serv. in Verg. Aen. 11, 93: (Versis Arcades armis) Lugentum more mucronem hastae, non
 cuspidem contra terram tenentes, quoniam antiqui nostri omnia contraria in funere
 faciebant, scuta etiam inuertentes propter numina illic depicta, ne eorum
 simulacra[ln_5]cadaueris polluerentur aspectu, sicut habuisse Arcades Bacchylides in
 dithyrambis dicit.

book 11 Serv. in Verg. Aen. 2, 201: Sane Bacchylides de Laocoonte et uxore eius uel de serpentibus a Calydnis insulis uenientibus atque in homines conuersis dicit.

book 12.1 Schol. Iliad. M 307: Εὐρώπην τὴν

book 12.2 Φοίνικος Ζεὺς θεασάμενος ἔν

book 12.3 τινι λειμῶνι μετὰ Νυμφῶν ἄνθη ἀναλέγουσαν ἡράσθη, καὶ κατελθὼν ἥλλαξεν ἑαυτὸν εἰς

book 12.4 ταῦρον καὶ ἀπὸ τοῦ στόματος κρόκον ἔπνει. Οὕτω δὲ τὴν Εὐρώπην ἀπατήσας ἐβάστασε καὶ
διαπορθμεύσας εἰς Κρήτην[ln 5]ἐμίγη αὐτῇ· εἰθ' οὕτω

- book 12.5 συνώκισεν αὐτὴν Ἀστερίωνι τῷ Κρητῶν βασιλεῖ· γενομένη δὲ ἔγκυος ἐκείνη
- book 12.6 τρεῖς
- book 12.7 παῖδας ἐγέννησε, Μίνωα, Σαρπηδόνα καὶ Ῥαδάμανθυν. Ἡ ἱστορία
- book 12.8 παρὰ Ἡσιόδῳ καὶ Βακχυλίδῃ.